No. of Printed Pages : 4

MSK-005

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम.एस.के.-005 : वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय संस्कृति और सभ्यता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×10=50

(क) वैदिक संहिताओं का परिचय दीजिए।

(ख) महाभारतकालीन संस्कृति के मानक तत्वों का विवेचन कीजिए।

(ग) 'हिरण्यगर्भ' सूक्त के आधार पर प्रजापति के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(घ) पदों के चतुर्विध विभागों का वर्णन कीजिए।

(ङ) आरण्यक का प्रतिपाद्य विषय तथा महत्व लिखिए।

(च) भारतीय संस्कृति में पुरुषार्थ चतुष्टय का महत्व लिखिए।

(छ) प्राचीनकाल में सामाजिक क्षेत्र में नारी की भूमिका पर लेख लिखिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : 2×5=10

(क) सुषारथिरश्वानिव यन्मनुष्यान्ने
नीयतेऽभीशुभिर्वाजिन इव।
हृत्प्रतिष्ठं यदजिरं जविष्ठ तन्मे
मनः शिवसंकल्पमस्तु

(ख) तदस्य प्रियमभि पाथो अश्यां
नरो यत्र देवयवो मदन्ति।
उरूक्रमस्य स हि बन्धुरित्था
विष्णोः पदे परमे मध्व उत्सः

(ग) यो हत्वाहिमरिणात्सप्त सिन्धून

यो गा उदाजदपधा बलस्य।

यो अश्यनोरन्तग्निं जजान

सवृंक्समन्सु स जनास इन्द्रः

(घ) अस्मै ग्रामाय प्रदिशश्तम्र

ऊर्ज सुभूतं स्वस्ति नः कृणोतु।

अशत्त्विन्द्रो अभय नः कृणोत्वन्यत्र

राज्ञामभियातु मन्युः

खण्ड-ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×6=30

(क) वैदिक छन्द

(ख) शुक्लयजुर्वेद के गृह्यसूत्र

(ग) सविता देवता वर्णन

(घ) कर्णवेध संस्कार की वैज्ञानिकता

(ङ) 'गो' शब्द की निरुक्तियाँ

(च) ब्राह्मण ग्रन्थों का महत्व

(छ) श्रौतयागों का स्वरूप

4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : $2\times5=10$

(क) पञ्चम्याः परावध्यर्थे

(ख) अ इत्यादौ

(ग) इगन्ताच्च लघुपूर्वात्

(घ) कपिज्ञान्योर्ढ्क

(ङ) प्रकृत्यान्तः पादमव्यपरे

(च) दीर्घादटि समानपदे